भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2000

06 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

मानसिक स्वास्थ्य केरल में एनएचआरआई

2000. श्री एन. के. प्रेमचन्द्रन:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार मानसिक स्वास्थ्य केरल में राष्ट्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान (एनएचआरआई) विकसित करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने संस्थान के कामकाज के लिए प्रशासनिक वित्तीय और शैक्षणिक निर्णय लेने के लिए वित्त स्थायी समिति (एसएफसी) और समिति की शासी परिषद की बैठकें बुलाने में हुई देरी के कारण संस्थान के सामने आने वाले संकट पर ध्यान दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार केरल में एनएच आरआईएमएच कोट्टायम में सुधार और कार्यकरण के लिए निर्णय लेने हेतु लंबित विभिन्न मामलों के लिए जिम्मेदार समितियों और परिषद को बुलाने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार संस्थान की समृद्धि को ध्यान में रखते हुए इसके विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार कर रही है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस पर क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर
आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): जी हां, आयुष मंत्रालय ने डॉक्टर ऑफ होम्योपैथी [एमडी (होम्यो.)] पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए वर्ष 2016-17 के दौरान केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान (सीआरआईएच) को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान (एनएचआरआईएमएच) में अपग्रेड कर दिया है। इस संस्थान ने केरल यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (केयूएचएस) की संबद्धता के तहत वर्ष 2018 से 02 विषयों अर्थात प्रैक्टिस ऑफ मेडिसिन तथा साइकाइट्री में एमडी (होम्यो.) को आरम्भ किया। इस संस्थान को विश्वविद्यालय द्वारा एमडी (होम्यो.) परीक्षाएँ आयोजित करने के लिए एक परीक्षा केंद्र के रूप में भी अनुमोदित किया गया है और इसे पीएचडी के लिए एक केंद्र के रूप में पंजीकृत/अनुमोदित किया गया है।

(ख) और (ग): जी नहीं, इस संस्थान ने अब तक स्थायी वित्त समिति की चार (04) बैठकें और कार्यकारी परिषद की दो (02) बैठकें आयोजित की हैं। संस्थान में किसी भी कठिनाई से बचने के लिए स्थायी वित्त समिति (एसएफसी) और कार्यकारी परिषद की सिफारिशों को तदनुसार लागू किया जाता है।

(घ) एवं (ङ): जी नहीं, वर्तमान में ऐसा कोई मास्टर प्लान बना नहीं है।

*****